श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद

(प्रथम बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम गुणवत्ता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, उनका सर्वांगीण विकास करने, अध्यापक शिक्षा की बहुआयामी विकास कर उसके स्तर को बढ़ाने में निरन्तर प्रत्यनशील है । इस परिषद में निम्नलिखित सदस्य है–

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशि पाण्ड्ेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. डॉ. निर्मला तापड़िया (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री रतन चन्देल (कार्यालय प्रशासक)
15. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 13.07.2017 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई । प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और कहा कि इस परिषद् का मूल उद्देश्य स्टॉफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की सत्र पर्यन्त सभी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाना है, तथा वर्ष 2017–2018

में प्रारम्भ होने वाले पाठ्यक्रम बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम के बारे में अवगत करवाया । तत्पश्चात् डॉ. धुप्या ने 2016–2017 की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और कहा कि–

1. सत्र 2016–2017 में बी.एड. द्वितीय वर्ष की वार्षिक सैद्वान्तिक परीक्षा 16 मई 2017 से 10 जुलाई तक तक सम्पन्न करवाई गई ।
2. वर्षभर की गतिविधियों का सुसंचालन विभिन्न कमेटियों के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से किया गया ।
3. पुस्तकालय में नवीन दो वर्षीय पाठ्यक्रम के अनुरूप शीघ्र पुस्तकें छपने पर मंगवाई जाएंगी तथा बी.ए.बी.एड. की पुस्तकें भी अतिशीघ्र मंगवाई जाएंगी ।
4. महाविद्यालय में समय–2 पर योग कक्षाएँ लगवाई गई तथा वृक्षारोपण भी पर्यावरण सुरक्षा व संरक्षण की दृष्टि से किया गया ।
5. छात्राओं की समस्याओं का समाधान शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के माध्यम से किया जाता है ।
6. महाविद्यालय के विकास हेतु छात्रा–परिषद का विधिवत गठन भी किया जाता हैं ।
7. महाविद्यालय की भौतिक सुविधाओं के विकास हेतु समय–समय पर ध्यान दिया जाता हैं जिसके अन्तर्गत कक्षाओं में हवा व प्रकाश की समुचित व्यवस्थाएँ, पर्याप्त मात्रा में सफेद बोर्ड लगे कमरे, छात्राओं हेतु कामन रूम की व्यवस्था, स्वच्छ व शीतल जल सुविधा हेतु शौचालय आदि उपलब्ध है ।
8. प्रभावी निर्देशन व परामर्श कमेटी का गठन किया गया है जिसके माध्यम से छात्राओं को मार्गदर्शन किया जाता है उनकी केस स्टेडी कर समस्या समाधान हेतु उचित परामर्श दिया जाता है ।
9. आई.सी.टी. के उपयोग पर पर्याप्त बल दिया जाता हैं।
10. विभिन्न विशयों के क्लब का गठन किया गया जिसमें विभिन्न गतिविधियॉ संचालित की गई–सामाजिक अध्ययन क्लब, भाषा क्लब, विज्ञान क्लब, गृह विज्ञान क्लब आदि
11. महाविद्यालय में स्थापना कमेटी (Placement Cell) भी स्थापित की गई जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं को रोजगार दिलाने में मदद की जाती हैं ।
12. समय–2 पर बाहरी शिक्षाविदो, विशेषज्ञों को बुलाकर प्रसार व्याख्यान व कार्य शालाओं का आयोजन किया जाता है ।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त कियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर आगामी वर्ष में महाविद्यालय के आंतरिक कार्यो के उन्नयन हेतु निम्न तथ्यों पर प्रकाश डाला–

1. इस सत्र में प्रवेश कार्य देरी से होने तथा द्विवशीय बी.एड. पाठ्यक्रम के अनुरूप पर्याप्त पुस्तकें न होने व चार वर्षीय बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम प्रारम्भ होने से शिक्षण प्रकिया पर अधिक ध्यान देने व उसे अधिक प्रभावी बनाने को कहा गया ।
2. छात्राओं के प्रायोगिक कार्य के अन्तर्गत एक सप्ताह के निरीक्षण कार्य को प्रभावी बनाया जाएं तथा विद्यालयों की अन्य गतिविधियों A- एक माह की प्रीइन्टर्नशीप B- चार माह की इन्टर्नशिप की विभिन्न गतिविधियों के बारे में छात्राओं को भी प्रकार से प्रशिक्षण दिया जाएं ।
3. महाविद्यालय गतिविधियों को संचालन सत्र भर की पूर्व योजना निर्धारित कर उसके अनुरूप किया जाएँ ताकि कोई भी गतिविधियॉ सम्पन्न होने से रह न जाएँ
4. सामुदायिक गतिविधियों को संचालन किया जाए ताकि महाविद्यालय समाज की अपेक्षाओं को भी पूरा करने सक्षम हो ।
5. छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे नेट, स्लेट तथा यू.जी.सी. की परीक्षाओं के बारे में प्रोत्साहित किया जाए ।
6. महाविद्यालय की छात्राएँ विश्वविद्यालय वरीयता सूची के स्थान प्राप्त कर सके इस हेतु शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने के प्रयास किये जाए ।
7. छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ सहशैक्षिक अन्य गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने को प्रोत्साहित किया जाएं ।
8. महाविद्यालय स्टॉफ को दूसरे महाविद्यालयों के सेमीनार, कार्य ालाओं में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया ।
9. समय–समय पर स्टॉफ सदस्यों का निरीक्षण कर उनके नैतिक मूल्यों के विकास पर भी ध्यान दिया जाएं ।

अंत में प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी को इन सुझावों को अपनाने का आ वासन देकर महाविद्यालय के कार्यो की गुणवत्ता को सुधारा जाएगा तथा महाविद्यालय को अधिकाधिक विकास की ओर अग्रसर किया जाएगा यह कहकर सबको धन्यवाद दिया और मीटिंग को समाप्त किया ।

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद

(द्वितीय बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम गुणवत्ता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, उनका सर्वागींण विकास करने, अध्यापक शिक्षा की बहुआयामी विकास कर उसके स्तर को बढ़ाने में निरन्तर प्रत्यनशील है । इस परिषद में निम्नलिखित सदस्य है–

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशि पाण्ड्ेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. डॉ. निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
12. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
13. श्री रतन चन्देल (कार्यालय प्रशासक)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की द्वितीय बैठक दिनांक 29.09.2017 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई । प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया

और कहा कि इस परिषद् का मूल उद्देश्य स्टॉफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की सत्र पर्यन्त सभी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाना है, तथा वर्ष 2017–2018 में प्रारम्भ होने वाले पाठ्यक्रम बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम के बारे में अवगत करवाया । तत्पश्चात् डॉ. धुप्या ने पूर्व में सम्पन्न हुई कुछ गतिविधियों पर प्रकाश डाला और कहा कि–

01. बी.एड. प्रथम वर्ष व बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं के प्रवेश कार्य जुलाई माह में सम्पन्न हो गएं है।
02- छात्राओं का शिक्षण कार्य का प्रारम्भ अनुस्थापन कार्यक्रम (Orientation Programme) से किया गया जिसमे छात्राओं को बी. एड. दो वर्षीय पाठ्यक्रम के बारे में समझाया गया।
03- वर्षभर की गतिविधियों के संचालन हेतु विभिन्न कमेठियों का गठन किया गया।
04- बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम हेतु आगामी कक्षाओं की पुस्तके तथा संदर्भ पुस्तकें पुस्तकालय में मंगवाई गई।
05- महाविद्यालय में आंतरिक परीक्षा वाले प्रश्न पत्रों के प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक परीक्षा पाठ्यक्रम की कक्षाएं भी प्रारम्भ हो चुकी है।
06- नव प्रवेशित छात्राओं को फ्रेशर पार्टी दी जाती है।
07- छात्राओं की समस्याओं का समाधान तथा उन्हें परामर्श देने का कार्य शिकायत निवारण प्रकोष्ठ तथा निर्देशन और परामर्श प्रकोष्ठ के माध्यम से किया जाता है।
08. महाविद्यालय में सुसंचालन की दृष्टि से छात्रा परिषद् का गठन विधिवत निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप भी किया जा चुका है तंथा इनके मार्गदर्शन हेतु छात्रा परिषद् परामर्श दात्री भी बनाई गई हैं।
09- महाविद्यालय में समय–समय पर योग कक्षाएं, कम्प्यूटर कक्षाएं लगाई जाती हैं।
10. महाविद्यालय में स्थापना कमेटी (Placement Cell) द्वारा स्थानीय विद्यालयों में कई पूर्व छात्राओं को रोजगार दिलाने में मदद गई है।
11- छात्राओं के शिक्षण कार्य हेतु पर्याप्त मात्रा में सुविधाएं जैसे हवा, प्रकाश युक्त कक्षा–कक्ष, स्वच्छ व शीतल जल, कॉमन रूम, प्रयोगशालाएं, विभिन्न विषयों के क्लब द्वारा समय–समय पर गतिविधियों का आयोजन करवाया जाता हैं।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त कियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के पश्चात् सत्र के आगामी समय में महाविद्यालय के उन्नयन हेतु जिन बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया वे इस प्रकार से है–

01.बी.ए. बी. एड. में कम उम्र की छात्राओं के होने के कारण उन पर विशेष ध्यान दिया जाए।
02. कक्षाओं में प्राचार्य द्वारा समय समय पर निरीक्षण कर यह पता किया जाएं कि पाठ्यक्रम का अध्ययन ठीक से समय के अनुरूप हो रहा है या नही।
03. पूर्ण प्रशिक्षित व योगय व अनुभवी अध्यापकों के निर्देशन मे प्रभावी शिक्षण कार्य करवाया जाएं।
04. छात्राओं के सर्वागीण विकास हेतु अन्य गतिविधियों के आयोजन पर भी ध्यान दिया जाएं।
05. महाविद्यालय में शोध कार्य व पत्र प्रकाशन हेतु स्फाफ सदस्यों को प्रोत्साहित किया जाएं।
06. छात्राओं के एक माह की प्रीइन्टर्नशीप व चार माह की इन्टरर्नशीप की विभिन्न गतिविधियों की विधिवत जानकारी देकर उसे प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएं।
07.इन्टरर्नशीप हेतु नई प्रायोगिक पुस्तिकाएं प्रिन्ट करवाई जाएंगी।
08. स्टाफ सदस्यों के शैक्षिक व नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएं।
09. महाविद्यालय के उन्नयन हेतु सेमीनार, विद्वान जनों के भाषण, कार्यशालाओं आदि का आयोजन आदि करवाएं जाएं।
10. समुदायिक गतिविधियों का आयोजन करवाया जाएं ताकि महाविद्यालय का समाज से सम्पर्क बना रहे और समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद मिल सके।
11. स्टाफ व छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में प्रोत्साहित किया जाएं।
12.महाविद्यालय में उपचारात्मक शिक्षण की कक्षाएं लगाकर इस तरह की छात्राओं को आगे बडाने में सहायता की जाए।
13. छात्राओं की व्यक्तिगत, पारिवारिक, शैक्षिक समस्याओं पर ध्यान देकर उन्हें दूर करने के प्रयास किए जाएं।

अंत में प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी को इन सुझावों को अमल में लाने का आश्वासन देकर महाविद्यालय के कार्यो की गुणवत्ता को सुधारा जाएगा तथा महाविद्यालय को अधिकाधिक विकास की ओर अग्रसर किया जाएगा यह कहकर सबको धन्यवाद दिया और मीटिंग को समाप्त किया ।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

तृतीय बैठक

आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् (I.Q.A.C.) Session 2017-2018 की तृतीय मीटिंग दिनांक 16 फरवरी 2018 को आयोजित हुई उसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे –

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
12. श्रीमती हंसा भुवालिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री रतन चन्देल (कार्यालय सहायक)
15. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय सहायक)

सर्वप्रथम प्राचार्या जी ने सभी का स्वागत किया तथा सत्र् 2017–2018 में मींटिग से पूर्व सम्पन्न हुए कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि –

01. विश्वविद्यालय के नियमानुसार महाविद्यालय में सम्पन्न होने वाली सभी गतिविधियां निर्धारित महाविद्यालय पंचांग के अनुरूप संचालित की गई।
02. शिक्षण अभ्यास को अधिक प्रभावी बनाने हेतु विद्यालयों के प्राचार्यो से छात्राओं को निर्देशन दिया जाने लगा तथा विषयाध्यापक भी मार्गदर्शन करने लगे है।

03. विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुसार महाविद्यालय में अन्तर सदनीय प्रतियोगिताएं सम्पन्न करवाई गई। अन्य महाविद्यालय में होने वाली इन प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्राओं ने एथेलेटिक्स, वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया तथा स्थान प्राप्त कर पारितोषिक प्राप्त किए है।
04. बी.ए., बी.एड. प्रथम वर्ष की आंतरिक मूल्यांकन हेतु प्रथम सामयिक परीक्षा आयोजित करवाई गई तथा ओरल प्रजेण्टेशन तथा सत्रीय कार्य छात्राओं को आंवटित कर उनका मूल्यांकन कार्य सम्पन्न करवाया जा रहा है।
05. सभी विषयों में लगभग 85 प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरे हो गए है और कोर्स पढ़ाये जा रहे है।
06. प्राचार्या द्वारा स्टाफ सदस्यों के कार्यो का समय –समय पर निरीक्षण किया जाता है जैसे छात्राओं के मौखिक प्रदर्शन का, सूक्ष्म शिक्षण कक्षाओं का, प्रदर्शन पाठो का, नियमित कक्षा शिक्षण का आदि, तथा इन्हें अधिक प्रभावी बनाने हेतु समय–समय पर निर्देश भी दिये जाते है।
07. शिक्षण अभ्यास का कार्यशाला दर्पण के अनुसार 4 अक्टूम्बर से प्रारम्भ होकर फरवरी माह तक कुल 96 कार्य दिवसों में पूर्ण होगा अब केवल आन्तरिक व बाह्य प्रायोगिक परीक्षा ही सम्पन्न करवानी शेष रही हैं ।
08. छात्राओं को दिसम्बर माह तक सभी विषयों के सत्रीय कार्य आवंटित कर दिये गये है।
09. महाविद्यालय में 24.11.2017 को प्रसार व्याख्यान का आयोजन भी किया गया है। सामुदायिक गतिविधियों के अन्तर्गत हमने नुक्कड़ नाटक का आयोजन करवाया गया, छात्राओं को मूक बधिर विद्यालय और सोना मन्द बुद्धि विकास केन्द्र का भ्रमण करवाकर उन बालकों के शैक्षणिक व मनोरंजनात्मक गतिविधियों से अवगत करवाया गया।
10. साम्प्रदायिक सद्भाव संस्थान को इस वर्ष भी सहयोग राशि एकत्र कर भिजवाई गई।
11. छात्राओं को पुस्तकालय का लाभ उठाने हेतु दो–दो कार्ड दे दिये गये है तथा नए सत्र में नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप कई पुस्तके मंगवाई गई तथा बी.ए.बी.एड. पाठ्यक्रम की पुस्तकें भी मंगवाई गई।
12. प्रथम वर्ष की छात्राओं के एक सप्ताह की कला व सौन्दर्य से संबंधित वर्क शॉप भी आयोजित करवाई गई। जिसमें चित्रकला, संगीत व नाट्यकला का प्रदर्शन किया गया।
13. सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताएं अब करवानी है खेलकूद संबंधी कुछ प्रतियोगिताएं फरवरी माह के दूसरे सप्ताह के तीन दिनों में सम्पन्न करवाई गई है।
14. आंतरिक मूल्यांकन का एक परख हो चुका है और द्वितीय परख ग्रीष्मावकाश से पूर्व करवाया जाएगा।
15. शैक्षणिक कार्यो के अन्तर्गत नियमित कक्षाओं के साथ–साथ ऑपन एयर सेशन, एस.यू.पी.डब्ल्यू. कार्य शेष है। इन्हें मार्च माह में करवा दिये जाएंगे।

इन क्रियाओं की जानकारी के साथ ही इस मीटिंग में आगे विकास करने हेतु अन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु चर्चा की गई जो इस प्रकार से है –

01. महाविद्यालय में छात्राओं के वार्षिक परीक्षा हेतु कोई परेशानी न आएं इस हेतु व्यवस्था की जाए। नो ड्यूज, प्रवेश पत्र, पुस्तकालय सुविधा आदि प्राप्त करने की सामान्य जानकारी व पूछताछ हेतु अलग से काउण्टर की व्यवस्था की जाएं।
02. महाविद्यालय में विभिन्न क्षेत्र के विद्वानों को आमंत्रित कर प्रसार व्याख्यानों के साथ–साथ कार्य शालाओं (work shop) और राष्ट्रीय सेमिनारों का भी आयोजन करवाया जाएं।
03. प्रायोगिक परीक्षा के स्तर को सुधारने हेतु विशेष अध्ययन कर छात्राओं को उचित निर्देशन देकर मार्ग प्रदर्शन किया जाएं।
04. छात्राओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करने व कुशल अध्यापिका बनाने हेतु उचित मानवीय गुणों का विकास करने हेतु अन्य गतिविधियां संचालित की जाएं।

05. विश्वविद्यालय परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से बिना किसी व्यवधान के सम्पन्न हो सके इस हेतु उचित व्यवस्था की जायेगी।

06. पूर्व छात्राओं और नई छात्राओं में मेल–जोल हो वे कॉलेज की जानकारियों से अवगत हो सके, विकास को उन्मुख करने में मदद कर सके इस हेतु भूतपूर्व छात्रा परिषद का संगठन किया गया उसकी मीटिंग बुलाई जाएंगी जिसमें उनका गेट टूगेदर कर सांस्कृतिक साहित्यिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

07. महाविद्यालय की प्रगति, संचालन इत्यादि के बारे में अभिभावकों से भी जानकारी प्राप्त की जाएं ताकि स्वयं के मूल्यांकन में मदद मिल सके तथा भावी योजनाओं का प्रभावी निर्माण हो सके।

08. महाविद्यालय पत्रिका प्रतिभा के आगे प्रकाशन हेतु छात्राओं व स्टाफ के आर्टिकल एकत्रित किए जाएंगे।

उपरोक्त बिन्दुओं पर ध्यान देकर भविष्य में उन्हें अमल में लाने का आश्वासन देने के पश्चात् मीटिंग मेंउपस्थित सभी सदस्यों का संयोजक ने धन्यवाद प्रेषित कर मीटिंग को समाप्त किया।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

चतुर्थ बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की गठित आन्तरिक गुणवत्ता परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम गुणवता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, उनका सर्वांगीण विकास करने, अध्यापक शिक्षा का बहुआयामी विकास करने के लिए आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् (I.Q.A.C.) Session 2017-2018 की चतुर्थ मीटिंग दिनांक 5 मई 2018 को प्राचार्य कक्ष में किया गया जिसमे निम्नाकिंत सदस्य उपस्थित थे–

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
12. श्रीमती हंसा भुवालिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री रतन चन्देल (कार्यालय सहायक)

    15सुश्री नैना सोनी (कार्यालय सहायक)

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए मीटिंग का शुभारम्भ किया और कहा कि मीटिंग का मूल उद्देश्य आगामी वर्षो में संस्था की गुणवता को बढाना है इस हेतु मीटिंग के सुझाावों को तत्परता से कियान्चित किया जाएगा। इसके पश्चात डॉ ललिता एस धुप्या ने सत्र 2017–2018 में सम्पन्न हुए कार्यो को बताया जो इस प्रकार से हैं।

01. सत्र भर के सभी कार्य व्यवस्थित तरीके से विभिन्न कार्यो की समितियों व छात्रा–परिषद का गठन करने किया गया।

02. इस सत्र में प्रो. आर. के तम्बोली जी का व्याख्यान विमुद्रीकरण का सामाजिक व आर्थिक प्रभाव विषय पर करवाया गया।
03. बेटी बचाओं आन्दोलन पर डॉ सी.पी. गोस्वामी का प्रसार व्याख्यान कररवाया गया तथा छात्राओं में जागरूकता हेतु उन्हें शपथ भी दिलवाई गई।
04. सभी की समान कानूनी अधिकार विषय पर श्री प्रहलाद राय व्यास अधिवक्ता का प्रसार व्याख्यान करवाया गया।
05. महाविद्यालय में सत्रभर में बीच–बीच में कार्यकम निर्धारित कर सहशैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद व गृह विज्ञान संबंधी प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई।
06. सांस्कृतिक धरोहर को मध्य नजर रखते हुए नवरात्रि में एक दिवसीय डाण्डिया प्रतियोगिता, मार्च में होली मिलन कार्यकम भी आयोजित किया गया।
07. छात्राओं की कला व सौन्दर्य विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया।
08. बी. एड. की छात्राओं के आंतरिक मूल्यांकन का परख व सत्रीय कार्य निर्धारित समय पर आयोजित करवाये गये ।
09. बी.ए. बी. एड. की छात्राओं के ओरल प्रजेन्टेशन, सत्रीय कार्य व एक परख शीतकालीन अवकाश से पूर्व व दूसरा परख अपैल माह में आयोजित करवाया गया।
10. इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि सभी विषयों का पाठ्यकम समय से कुछ पहले पूरा हो ताकि दोहरान का कार्य किया जा सके।
11. ओपन एयर सेशन का भी आयोजन मार्च माह में करवाया गया।

आगे के सभी कार्य विश्वविद्यालय की सूचना के अनुरूप सम्पन्न किये जाऐगे।

उपरोक्त तथ्यों की जानकारी के पश्चात् सभी सदस्यों के समक्ष आगामी योजना के कियान्वयन हेतु निम्न सुझाव प्रस्तुत किये गये।

01. विश्वविद्यालय की द्वितीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा व सैद्धांतिक परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली तिथियों पर निर्धारित नियमानुसार व्यवस्थित कमबद्ध तरीके से करवायी जाए।
02. परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था का पूरा पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस हेतु एस. पी. सा. को पुलिस व्यवस्था करवाने हेतु समय पर प्रार्थना पत्र प्रेषित कर दिया जाएगा।
03. स्टाफ सदस्यों को आगामी सत्र के लिये क्रमबद्ध योजना बनाकर नई स्फूर्ति व ऊर्जा के साथ कार्य करने को प्रेरित किया जाएगा।
04. आगामी प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु पी.टी.ईटी. द्वारा निर्धारित लिस्ट से पूर्व कार्यकम तय करके किया जाएगा।
05. नई छात्राओं को प्रवेश कार्य में कोई परेशानी का सामना न करना पडे इस हेतु नोटिस बोर्ड पर सारी जानकारी चस्पा करवा दी जाएगी और एक पूछताछ काउण्टर की व्यवस्था भी की जाए।
06. छात्राओं के डॉक्यूमेंट चैक करवाने हेतु बी. एड. व बी. ए. बी. एड. दोनो के लिये अलग अलग कक्षों में व्यवस्था की जाएंगी
07. अभिभावकों हेतु भी अलग से बैठक व्यवस्था की जाएगी।
08. स्टाफ सदस्यों को अपनी शैक्षिक उपलब्धि बढाने हेतु प्रोत्साहित कर हर सम्भव सहायता प्रदान की जाएंगी।
09. स्टाफ सदस्यों को सेमीनार,वर्कशॉप में भाग हेतु प्रेरित किया जाएगां।
10. इस सत्र की भांति आगामी सत्र में भी विद्वानजनों के प्रसार व्याख्यान आयोजित किये जाएगे।
11. महाविद्यालय की स्वच्छता का पूर्णध्यान रखा जाएंगा।
12. छात्राओं की शिक्षण कार्य में रूचि जागृत करने हेतु उन्हें प्रेरित किया जाएगा, अनुशासन व नियमित अध्ययन की, आदत का विकास करने व पुस्तकालय के महत्व के बारे में बताया जाएगा।

13. आगामी सत्र के सभी कार्य योजनाबद्ध तरीके से महाविद्यालय पंचाग बनाकर, विभिन्न कार्यो की समितियों का गठन कर चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।
14. शिक्षण उन्नयन हेतु कक्षाओं का समय समय पर अवलोकन कर उचित दिशा निर्देशन दिये जाएगे।
15. सहगामी क्रियाओं का व्यवस्थित आयोजन कर छात्राओं के सर्वागीण विकास का विशेष ध्यान दिया जाएगा।
16. सामुदायिक कार्य का आयोजन किया जाएगा ताकि समाज के अपेक्षाओं के अनुरूप सामाजिक मूल्यों का विकास किया जा सके और महाविद्यालय की अपेक्षाओं को भी समाज तक हस्तांतरित किया जा सकेगा।
17. महाविद्यालय के गुणात्मक उन्नयन हेतु अधिकाधिक प्रयास किये जाएगे।

अंत मे प्राचार्य जी द्वारा उपरोक्त सभी सुझाओ को अपनाने का आश्वासन दिया गया और सभी को धन्यवाद देकर मीटिंग को समाप्त किया गया।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

प्रथम बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने छात्र–शिक्षकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील है अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में प्रयत्नरत है।

इस परिषद में निम्न सदस्य है।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)
15. श्रीमती आशा वापारानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 9 जुलाई 2018 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई । प्राचार्य डा. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया की परिषद का मुख्य उद्देश्य स्टाफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की समस्त गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाया है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवता को बढ़ाया जा सके। और महाविद्यालय में प्रारम्भ हुए नये पाठ्यक्रम बी. ए. बी.एड. का प्रभावी संचालन करवाकर उसकी जड़े मजबूत करना हैं।

तत्पश्चात डॉ. ललिता धुप्या ने 2017–18 की गतिविधियों पर प्रकाश डाला –

01. महाविद्यालय मे सभी गतिविधियों का आयोजन निर्धारित पंचांग के अनुसार किया गया।
02. विभिन्न कार्यो का संचालन महाविद्यालय प्राचार्या के निर्देशन में गठित विभिन्न कमेटियों द्वारा किया गया। ताकि कार्य सुव्यवस्थित तरीके से प्रभावी गुणवत्ता युक्त महाविद्यालय के मूल्यों को ध्यान में रखकर किया गया।
03. शिक्षण अभ्यास कार्य को प्रभावी बनाने हेतु विषय के शिक्षकों द्वारा प्रदर्शन पाठ देकर उन्हें प्रभावी ढ़ग से व्यवहारिक कार्य करना सिखाया गया ।
04. सत्रभर छात्राओं की महाविद्यालय में समय समय पर अंतर सदनीय प्रतियोगिताएं सम्पन्न करबाई जिसमें छात्राओं ने सदन प्रभारी के निर्देशन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। और पारितोषिक प्राप्त किये।
05. सभी कार्यो के व्यवस्थित संचालन हेतु महाविद्यालय में निर्धारित मापदण्ड के अनुसार छात्रा परिषद् का विधिवत गठन कर शपथ ग्रहण करवा कर उनसे उत्तरदायित्वों का निर्वाह करवाया गया।
06. अन्य महाविद्यालयों में होने वाली प्रतियोगिताओं में स्थानीय महाविद्यालय की छात्राओं भाग लेकर पारितोषिक प्राप्त किये।
07. महाविद्यालय में सत्र 2017.2018 के आंतरिक मूल्यांकन संबंधी सभी कार्य पूर्ण हो चुका है।
08. बी.ए. बी.एड. के आंतरिक प्रश्न पत्र का तथा वर्कशॉप के मूल्यांकन का कार्य भी पूरा करवाया जा चुका हैं।
09. सैद्धांतिक पाठ्यक्रम सभी विषयों में पूरे हो चुके है कुछ में रिवीजन का कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है।
10. शिक्षण अभ्यास का कार्य शाला दर्पण पोर्टल के अनुरूप फरवरी माह में पूर्ण हो चुका है।
11. स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु स्वास्थ्य शिक्षा पर प्रसार व्याख्यान भी आयोजित किया गया।
12. विशेष आवश्यकता वाले बालको के मूकबधिर विद्यालय, सोना मंदबुद्धि विद्यालय में छात्राओं को भ्रमण करवाया गया ताकि उनकी शैक्षणिक व मनोरंजनात्मक गतिविधियों से अवगत करवाया गया।
13. नुक्क नाटक का आयोजन भी शैक्षिक जागरूकता लाने व स्वच्छता के महत्व को संदेश देने हेतु आयोजित किया गया।
14. शैक्षणिक, सहशैक्षिक गतिविधियों के साथ ही ऑपन एयर सेशन, एस.यू.पी.डब्ल्यू संबंधी कार्य भी करवाये गये।

इन कार्यो की जानकारी के साथ ही आगे विकास हेतु अन्य, गतिविधियों के कियान्वन पर चर्चा की गई जो इस प्रकार से है –

01. पूर्व सत्र 2017–2018 के शेष रहे कार्यो जैसे वार्षिक सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षा हेतु छात्राओं को उचित प्रभावी मार्गदर्शन कर उसे मजबूत आधार प्रदान किया जाएगा।
02. महाविद्यालय में सत्र 2018–2019 में प्रवेश हेतु कोई परेशानी न आए इस हेतु उत्तम व्यवस्था की जाएगी। सामान्य जानकारी की सभी बाते नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएं तथा इसे हेतु एक अलग काउण्टर की व्यवस्था हो।
03. विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करने, मानवीय गुणों का विकास करने हेतु विविध गतिविधियां समय समय पर आयोजित की जाएगी।
04. विश्वविद्यालय परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न हो इस हेतु आंतरिक व्यवस्था उत्तम की जाएगी तथा पुलिस के गार्ड की व्यवस्था हेतु एस. पी. सा. को पत्र भेजा जाएंगा।
05. बी.एड व बी. ए. बी. एड. की छात्राओं में मेल जोल हेतु कुछ सामान्य एक साथ कार्य करवा कर जैसे एक ही छात्रा परिषद, राष्टीय व सामाजिक पर्वो का एक साथ आयोजन किया जाएंगा।
06. पुरानी व नई छात्राओं के मेल जोल हेतु भूतपूर्व छात्रा परिषद का संगठन किया गया उसकी मीटिंग बुलाई जाएगी। जिससे उनका गेट टूगेदर होगा और विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।
07. महाविद्यालय स्टाफ को आगे उपलब्धि बढाने हेतु प्रेरित किया जाएगा।

08. आई सी टी विभाग को सुधारा जाएगा जो कम्प्यूटर खराब है उन्हें शीघ्र ठीक करवाकर अन्य नये स्टाफ व कम्प्यूटर की व्यवस्था की जायेगी।

09. छात्राओं को हमारी अर्थव्यवस्था के प्राथमिक वयवसाय कृषि, योग आदि से जोडकर इनका भी प्रभावी शिक्षण करवाया जाएंगा।

10. महाविद्यालय संचालन व प्रगति हेतु अभिभावकों से जानकारी की जाए ताकि आगामी योजनाओं का बेहतर निर्माण व कियान्वव हो सके।

11. पुस्तकालय में नये पाठ्यकमानुसार और नई पुस्तकें मंगवाई जाएं।

12. महाविद्यालय पत्रिका प्रतिभा के आगामी प्रकाशन हेतु स्टाफ व छात्राओं के लेख, कविता, रोचक व ज्ञानार्जन तथ्यों को एकत्रित किया जाएगा।

13. महाविद्यालय स्वच्छता व अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

उपरोक्त बिन्दुओं पर ध्यान देकर उन्हें अमन में लाने का आश्वासन देकर मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद देकर मीटिंग समाप्ति की घोषणा की गई।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी [illegible]
महिला शिक्षक प्रशिक्षण [illegible]
[illegible] (राज.)

I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

द्वितीय बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने छात्र–शिक्षकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील है अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में प्रयत्नरत है।

इस परिषद में निम्न सदस्य है।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)
15. श्रीमती आशा वापारानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 13 अक्टूम्बर 2018 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की प्राचार्य डा. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया की परिषद का मुख्य उद्देश्य स्टाफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की समस्त गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाया है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवता को बढ़ाया जा सके।

तत्पश्चात डॉ. ललिता धुप्या ने 2017–18 के सत्र की शेष रही व सम्पन्न हुई गतिविधियों पर प्रकाश डाला

1. 27.07.2018 से नवीन सत्र आरम्भ हुआ। ओरीएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन बी. एड. प्रथम वर्ष तथा बी.ए., बी. एड. प्रथम वर्ष के लिए किया गया।
2. दिनांक 6 अगस्त से बी. एड. द्वितीय वर्ष एव बी. ए. बी. एड. द्वितीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हुई।
3. 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया।
4. दिनांक 10 व 11 अगस्त 2018 को बी. एड. द्वितीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा स्थानीय महिला आश्रम संस्था के विद्यालय में सम्पन्न करायी गयी।
5. 13 सितम्बर 2018 को नव प्रवेशित छात्राओं के लिए फ्रेशर पार्टी रखी गई।
6. 14 नवम्बर 2018 से महिला आश्रम 75 वे वर्ष में प्रवेश करने पर वर्ष पर्यन्त इस वर्ष को विशिष्ट बनाने का निर्णय लिया गया। छात्रा परिषद का गठन किया गया।
7. 05.10.2018 को छात्रा परिषद का शपथ ग्रहण समारोह रखा गया।
8. महाविद्यालय में पाठ्य सहगामी कार्यक्रमों का संचालन करवाने हेतु छात्राओं को सदनों में बांटा जाएगा ताकि छात्राओं में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित कर उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

सत्र भर आंतरिक कार्यो में सुधार हेतु निम्न बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाएगा।

1. महाविद्यालय सामुदायिक कार्यो में भी अपनी सहभागिता दे।
2. छात्राओं के आगामी भविश्य में आदर्श शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया जाए।
3. छात्राओं की व्यक्तिगत समस्याओ के निवारण हेतु निर्देशन परामर्श कमेटी और अधिक कार्य करें।
4. छात्राओं और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थय के लिए भी उन्हें समय–समय पर जागरूक किया जाए।
5. महाविद्यालय में योग, प्राणायाम, ध्यान पर भी कार्यक्रम करवाया जाए ताकि छात्राओं और अध्यापकों का मानसिक विकास हो सके।
6. सहशैक्षिक गतिविधियां जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, साहित्यिक, खेलकूद करवाये जाए, ताकि छात्राओं में रचनात्मक भाक्ति का विकास हो सके।
7. महाविद्यालय की प्रगति, संचालन के बारे में अभिभावकों को भी जानकारी प्राप्त की जाये ताकि भावी योजना का निर्माण हो सके।
8. विश्वविद्यालय परीक्षाओं को भाांतिपूर्ण ढंग सम्पन्न करने के लिए उचित व्यवस्थाओं को बनाया जाए।

उपरोक्त बिन्दुओं पर चर्चा के उपरांत प्राचार्या महोदया ने सभी–सुझावों को क्रियान्वयन का आश्वासन दिया और सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित कर बैठक के समापन की घोषणा की।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

तृतीय बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय परिषद् अध्यापक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं का चहुंमुखी विकास करने उन्हें स्व–रोजगार हेतु सक्षम बनाने के लिये निरन्तर प्रयत्नशील है तथा अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने हेतु प्रयत्नरत है। इस परिषद में निम्नांकित सदस्य है –

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय सहायक)
15. श्रीमती आशा वाधवानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की तृतीय बैठक 19.01.2019 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई। सर्व प्रथम डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी का स्वागत कर बैठक को प्रारम्भ किया और कहा कि संस्था के 75 वें वर्ष में प्रारम्भ करने पर हम सब बहुत प्रसन्न है। यह संस्था उत्तरोतर प्रगति कर आज एक वट वृक्ष की भांति खड़ी है। अब महाविद्यालय प्रारम्भ हुआ था तब मात्र 120 छात्राएं ही अध्ययन करती थी और अब शीघ्र ही 800 छात्राएं हो जाएंगी वर्तमान में महाविद्यालय में लगभग 550 छात्राएं अध्ययनरत है। आज हमारे महाविद्यालय की पहचान हमारे राज्य के साथ–साथ देश में भी बनी हुई है।

इसके पश्चात् डॉ. ललिता एस. धुप्या ने सत्र 2018–2019 के प्रारम्भ के आधे वर्ष में सम्पन्न हुए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया जो इस प्रकार से है –

1. सत्र 2017–18 के शेष रहे सभी कार्य पूरे हो चुके है।
2. नवीन सत्र 2018–19 का प्रारम्भ ओरिएण्टेशन प्रोग्राम के द्वारा किया गया।
3. राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त, शिक्षक दिवस 5 सितम्बर, गांधी शास्त्री जयन्ति 2 अक्टूबर को धूमधाम से मनाई गई।
4. नव प्रवेशित छात्राओं को फ्रेशर पार्टी दी गई।
5. छात्रा परिषद का विधिवत गठन किया गया निर्धारित मापदण्डों को ध्यान में रखकर
6. बी.ए. बी.एड. की छात्राओं के प्रथम परख सम्पन्न हो चुके है।
7. सभी कक्षाओं में आंतरिक मूल्यांकन हेतु सत्रीय कार्य व ऑरल प्रजेण्टेशन के टॉपिक वितरित कर उनका क्रियान्वन समय सारणी के अनुरूप हो रहा है।
8. 17 दिसम्बर को प्रेरणा दिवस मनाया गया। इस दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया तथा प्रतिभाशाली छात्राओं को पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।
9. कुछ स्टाफ सदस्यों ने पेपर पब्लिश करवाने का कार्य भी सम्पन्न किया।
10. स्टाफ सदस्यों में से कुछ ने अपनी शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने हेतु पी.एच.डी. करने हेतु रजिस्ट्रेशन भी करवाये है।
11. स्टाफ सदस्य समय–समय पर अन्य महाविद्यालय में हुए सेमिनार, वर्क शॉप में भाग ले रहे है।
12. महाविद्यालय में छात्राओं को बेहतर भौतिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। उनके लिये पृथक कॉमन रूम, जलपान हेतु कैण्टीन की व्यवस्था भी की गई है।
13. पढ़ने हेतु पुस्तकालय में शैक्षिक पुस्तके, संदर्भ पुस्तके, पत्र–पत्रिकाएं, अखबार आदि की व्यवस्था उपलब्ध है।
14. पृथक भाषा प्रयोग शाला, कम्प्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, सामाजिक अध्ययन क्लब, भाषा क्लब, आर्ट एण्ड क्राफ्ट आदि का गठन किया गया। जिसमें अनेक गतिविधियां सम्पन्न करवाई जाती है।
15. छात्राओं को टी.एल.एम. के उपयोग का मार्गदर्शन दिया जाता है ताकि वे अधिगम प्रक्रिया को आसान बना सके तथा अपने शिक्षण कार्य को प्रभावी व रूचिकर तथा स्पष्ट तरह से प्रस्तुत कर सके।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त गतिविधियो से अवगत होने के पश्चात् आगामी सत्र में महाविद्यालय के आंतरिक कार्यो के उन्नयन हेतु निम्न तथ्यों पर प्रकाश डाला।

1. महाविद्यालय के सभी व्याख्याताओं को आगे अपनी शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने हेतु प्रेरित किया जाएं।
2. महाविद्यालय में देश के विद्वान शिक्षाविदों के प्रसार व्याख्यान आयोजित करवाकर छात्राओं व स्टाफ को लाभान्वित किया जाएं।
3. महाविद्यालय में भी सेमिनार, संगोष्ठी, कार्यशाला का आयोजन करवाया जाएं।
4. महाविद्यालय में शेष रहे सभी कार्यों का क्रियान्वयन यथा सम्भव महाविद्यालय पंचांग के अनुसार करवाकर समय पर सम्पन्न किये जाएं।
5. शिक्षकों व छात्राओं को पुस्तकें लिखने को प्रोत्साहित किया जाएं।

6. शिक्षकों व छात्राओं को महाविद्यालय समय में मोबाइल पर बात करने व अन्य उपयोग करने से रोका जाएं।
7. शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित किये जाएं ताकि समाज को अपेक्षाओं व सहयोग को मालूम करने में मदद मिल सके।
8. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रायोगिक व सैद्धान्तिक परीक्षा आयोजन प्रभावी तरीके से पूर्ण सुरक्षित माहोल में किया जाएं।
9. शिक्षण कार्य में विशेष रूप से गुणवत्ता का ध्यान रख जाएं ताकि छात्राएं विश्वविद्यालय मेरिट में स्थान प्राप्त कर सके।
10. छात्राओं की अन्तरनिहीत शक्तियों को बाहर निकालने हेतु प्रयास किये जाएं।
11. छात्राओं की व्यक्तिगत, सामाजिक, पारिवारिक, शैक्षिक समस्याएं है तो निर्देशन सेल के द्वारा उनको उचित परामर्श देकर, विचार विमर्श कर उनके समाधान का प्रयास किया जाएं।

उपरोक्त बिन्दुओं पर चर्चा कर इनको अमल में लाने का आश्वासन देकर मीटिंग समाप्त की गई तथा सभी को प्राचार्या जी ने धन्यवाद दिया।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teachers Training College
BHILA

I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

चतुर्थ बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिशद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने छात्र–शिक्षकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील है अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में प्रयत्नरत है।

इस परिषद में निम्न सदस्य है।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)
15. श्रीमती आशा वापारानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की द्वितीय बैठक 27.04.2019 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई। प्राचार्या जी ने सभी सदस्यों का स्वागत कर बैठक की शुरूआत की।

उन्होनें बैठक का उद्देश्य महाविद्यालय की गुणवत्ता को बढ़ाना तथा छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना बताया।

सर्वप्रथम सत्र भर की गई गतिविधियों के विषय में बताया, हमारी संस्था के विकास के 75 वे वर्ष में प्रवेश करने पर पर हम सभी बहुत प्रसन्न है संस्था उत्तरोत्तर प्रगति कर रही है प्रबंधन समिति के

सहयोग से हम सभी महाविद्यालय की छात्र संख्या बढ़ा सके है, आज हमारे महाविद्यालय की राजस्थान ही नही वरन देश में पहचान बनी है।

1. 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।
2. दिनांक 4 फरवरी से 8 फरवरी तक बी. एड. प्रथम वर्ष के आलोचनात्मक पाठ रखे गये
3. 9 फरवरी को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में सरस्वती की पूजा कर हवन किया गया।
4. हवन के उपरांत छात्राओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिता रखी गई।
5. 12 फरवरी 2019 से एन.सी.टी.ई. के आदेशानुसार उपभोक्ता सप्ताह मनाया गया।
6. 14 फरवरी को श्री शिवचरण माथुर जी की जयंती मनाई गई।
7. 26 फरवरी 2019 को बी.ए., बी.एड. का सामुदायिक कार्य का शुभारम्भ किया गया।
8. 12 मार्च को संस्था की संस्थापिका मां नारायणी देवी वर्मा जी को पुण्यतिथि में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
9. 29 व 30 मार्च 2019 को बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए ओपन एयर सेशन का आयोजन किया गया।
10. बी.एड. प्रथम वर्ष तथा बी.ए.बी.एड. का आंतरिक मूल्यांकन हेतु इकाई परख टेस्ट 9 तथा 10 अप्रैल से प्रारम्भ हुए। जिनके आधार पर आंतरिक मूल्यांकन कर अंक विश्वविद्यालय भिजवाये जाएंगे।
11. इस तरह 2018–19 के सत्र का समापन 30 अप्रैल को हुआ।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर आगामी वर्ष में महाविद्यालय के आंतरिक कार्यो के उन्नयन हेतु निम्न तथ्यों पर प्रकाश डाला

1. महाविद्यालय के सभी प्रवक्ताओं को शैक्षिक उपलब्धियों के लिए प्रेरित किया जाए।
2. वे समय–समय पर राज्य स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमीनार वर्कशॉप कॉन्फ्रेस आदि में भाग लेने गये। जिससे उनका बौद्धिक विकास हो।
3. महाविद्यालय में भी समय–समय प्रख्यात शिक्षाविदो का प्रसार व्याख्यान हो।
4. सेमीनार गोष्ठी का भी आयोजन करे।
5. भूतपूर्व छात्र सम्मेलन भी करवाया जाए, और छात्राओं के भीतर की प्रतिमा का विकास हो सके।
6. राष्ट्रीय एकता के भाव को पुष्ट करने की दृष्टि से 31 अक्टुबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनायी गई, इस अवसर पर निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
   1. स्लोगन प्रतियोगिता 2. निबंध व भाषण प्रतियोगिता
   राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलवाई गई
7. शिक्षकों व छात्रों को महाविद्यालय समय पर मोबाइल पर बात न करने को कहा गया।
8. समय–समय पर महाविद्यालय में प्रसार व्याख्यान, वर्कशाप, सेमीनार करवाये जाए।
9. शिक्षकों को पुस्तके लिखने के लिए भी प्रोत्साहित करे।
10. भूतपूर्व छात्राओं की मीटिंग रखी जाए ताकि वो छात्राओं का मार्गदर्शन कर सके।
11. एलुमिनी मीट में सांस्कृतिक साहित्यिक गतिविधियां भी आयोजित की जाए।
12. महाविद्यालय में छात्राओं के भीतर छिपी शक्तियों को बाहर निकलने के विभिन्न अवसर दिये जाए।

उपरोक्त बिन्दुओं पर चर्चा कर इनको अमल में लाने का आश्वासन देकर मीटिग समाप्त की गई, सभी को प्राचार्य जी ने धन्यवाद दिया।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2019-2020

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद (प्रथम बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की आन्तरिक गुणवत्ता परिषद् महाविद्यालय की अध्यापक शिक्षा के बहुआयामी पक्षों का विकास करने और शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने व विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को उन्नत करने के उद्देश्य से इसकी पहली मीटिंग दिनांक 4 अक्टुबर 2019 को बुलाकर उसके सुझावों को प्राथमिकता से अमल में लाने का सुझाव दिया गया । इसमें महाविद्यालय के किया–कलापों को पूर्ण सजगता के साथ जीवन मूल्यों को ध्यान में रखकर महाविद्यालय के स्तर को ऊँचा उठाना हैं । इस बैठक में निम्नांकित सदस्य उपस्थित थे ।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री गजानन्द कुमावत (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशी पाण्डेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
12. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
13. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
14. सुश्री सविता त्रिपाठी (सदस्य)
15. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
16. श्री योगेन्द्र कुमार टेलर (कार्यालय प्रशासक)

मीटिंग के प्रारम्भ में प्राचार्या डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी का स्वागत अभिनन्दन किया तथा महाविद्यालय में सम्पन्न होने वाली सभी गतिविधियों पर प्रकाश डाला । तत्पश्चात् डॉ. ललिता एस. धुप्या ने सत्र की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और कहा कि–

1. जुलाई माह में 23.07.2019 से 29.07.2019 तक बी.एड. दो वर्षीय व बी.ए.बी.एड. इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम में प्रवेश कार्य हुए ।
2. 16.08.2019 व 17.08.2019 को प्रथम वर्ष की छात्राओं (दोनों पाठ्यक्रम) के ओरिएन्टेशन कार्यक्रम सम्पन्न हआ ।
3. 05 अगस्त से बी.एड. द्वितीय वर्ष व बी.ए.बी.एड. द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्ष की सैद्वान्तिक कक्षाएँ। प्रारम्भ हुई ।
4. 20 अगस्त को राजीव गांधी की 75 वी जयन्ति मनाई गई ।
5. 30–31 अगस्त को सत्र 2018–2019 की छात्राओं की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षाएँ सम्पन्न हुई ।
6. दिनांक 07.09.2019 को बी.ए.बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं व दिनांक 11.09.2019 व 12.09.2019 को बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष (सत्र 2018–2019) की छात्राओं की भूगोल विषय प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न हुई ।
7. बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं को सितम्बर में तथा बी.ए.बी.एड. की छात्राओं के सत्रीय कार्य का आवंटन 2 अक्टूम्बर तक निर्धारित समय–सारणी के अनुरूप सम्पन्न हुआ ।
8. 28 सितम्बर को फ्रेशर पार्टी का आयोजन हुआ ।
9. 2 अक्टुम्बर 2019 को गांधी जयन्ति पर विभिन्न ग्रुप बनाकर महाविद्यालय भवन की स्वच्छता का कार्य करवाया गया ।
10. अक्टुम्बर माह में ही छात्राओं को सत्रीय कार्य का आवंटन किया गया ।
11. गांधी जीवन व दर्शन नाम नया पाठ्यक्रम बी.एड. प्रथम वर्ष व बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रारम्भ किया जो कि पूर्णतया वस्तुनिष्ठ होगा ।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त बातों को ध्यान से सुना तथा सत्र भर आंतरिक कार्यो में सुधार हेतु चर्चा कर निम्न बातों पर ध्यान देनें की तरफ ध्यानाकर्षण किया गया जो इस प्रकार से हैं–

1. महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों को शैक्षिक योग्यता बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया ।
2. विद्यार्थी अधिकाधिक का I.C.T. का उपयोग कर On Line Class से जुड़ सके इस हेतु सुविधा प्रदान की जाएं ।
3. महाविद्यालय को समाज से जोड़ने हेतु अधिकाधिक सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन करवाया जाएं ।
4. छात्राओं को विभिन्न प्रयोगशालाओं के अधिकाधिक उपयोग हेतु प्रेरित किया जाएं ।
5. छात्राओं में नेतृत्व क्षमता व सहयोग की भावना का अधिकाधिक विकास किया जाएं ।

6. भारतीय, सांस्कृतिक धरोहर व मूल्यों का संरक्षण, संवर्धन व हस्तान्तरण पर भी बल दिया जाएं ।
7. महाविद्यालय के शैक्षिक स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किया जाएं ।
8. निर्देशित व परामर्श सेवाओं को प्रभावी बनाया जाएं ।
9. छात्राओं को राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक संस्थाओं के बारे में जानकारी देकर प्रोत्साहित किया जाएं ।

अंत में महाविद्यालय की प्रचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने इन सुझावों को शीघ्रातिशीघ्र कियान्वित करने तथा महाविद्यालय की गरिमा को बढ़ाने हेतु अन्य गतिविधियों के संचालन के बारे में कहा तथा सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित कर आभार व्यक्त कर मीटिंग को समाप्त किया गया ।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teachers Training College
BHILWARA (Raj.)

I.Q.A.C. Session 2019-2020

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद (द्वितीय बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की आन्तरिक गुणवत्ता परिषद् की शिक्षक शिक्षा के बहुआयामी पक्षों का विकास करने, शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने व विद्यार्थियों को प्रभीव और उद्देश्य पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिये 23 दिसम्बर 2020 को द्वितीय मीटिंग का आयोजन प्राचार्य कक्ष में की गई। इस मीटिंग का उद्देश्य महाविद्यालय के क्रिया कलापों को पूर्ण सजगता के साथ जीवन मूल्यों को ध्यान में रखकर महाविद्यालय के शैक्षिक स्तर को उच्च बनाना है। इस बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित थे।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री गजानन्द कुमावत (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. डॉ. निर्मला तापड़िया (सदस्य)
12. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
13. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
14. सुश्री सविता त्रिपाठी (सदस्य)
15. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
16. श्री योगेन्द्र कुमार टेलर (कार्यालय प्रशासक)

मीटिंग के प्रारम्भ में डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी का स्वागत अभिनन्दन किया तथा महाविद्यालय में सम्पन्न होने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् डॉ. ललिता एस. धुप्या ने सत्र के प्रारम्भ से दिसम्बर तक सम्पन्न हुई के बारे में बताया जो इस प्रकार से हैं –

1. महाविद्यालय में छात्राओं के प्रवेश के बाद से ओरिएण्टेशन प्रोग्राम किया गया।

2. महाविद्यालय की सैद्धान्तिक कक्षाएं समय–सारणी के अनुरूप अगस्त माह के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ की गई।
3. महाविद्यालय की गतिविधियो के यथावत व्यवस्थित संचालन हेतु प्रारम्भ से ही महाविद्यालय पंचांग बनाकर उनके अनुरूप कार्य सम्पन्न करवाये जा रहे है।
4. महाविद्यालय की भौतिक सुविधाओं और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
5. सितम्बर माह की 28 तारीख को फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इसके पश्चात् अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में 06.10.2019 को छात्रापरिषद् का गठन किया गया और 11.10.2019 को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।
6. महाविद्यालय की गतिविधियों के सफल संचालन हेतु प्राचार्या द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर सदस्यों को उनके उत्तरदायित्व के बारे में जानकारी दी गई।
7. अब तक सभी कक्षाओं की छात्राओं को सत्रीय कार्य का आवंटन कर दिया गया तथा जमा करवाने की तिथि भी बता दी गई है।
8. पाठ्य सामग्री क्रियाओं के सफल संचालन हेतु सभी कक्षा की छात्राओं को जागृति, शक्ति, प्रगति व समृद्धि सदन में विभाजित कर प्रत्येक सदन के प्रभारी अध्यापक निर्धारित किये गये और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना बनाये रखते हुए विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई।
9. महाविद्यालय में बी.ए.बी.एड. की छात्राओं के लिये ऊपर प्रथम मंजिल पर भी कॉमन रूम की व्यवस्था है।
10. 17 दिसम्बर को प्रेरणा दिवस मनाया गया, जिसमें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया तथा प्रतिभाशाली छात्राओं को पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया।
11. 14 नवम्बर को प्लेटिनम जुबली मेले का आयोजन किया गया जिसमें पी.पी.टी. प्रजेण्टेशन किया गया।
12. नवम्बर माह के अंत में बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं की आंतरिक मूल्यांकन का परख आयोजित किया गया।
13. शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ति, शास्त्री जयन्ति, बाल–दिवस आदि पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

उपरोक्त तथ्यों की जानकारी के पश्चात् सभी सदस्यों संस्था उन्नयन हेतु सुझाव दिये जिससे आगे की गतिविधियों का सुव्यवस्थित संचालन हो सके तथा आंतरिक कार्यो में सुधार हो सके इस ओर ध्यान आकर्षित किया गया ध्यानाकर्षण वाले तथ्य निम्नानुसार है –

1. महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों को अपनी उपलब्धि बढ़ाने हेतु – प्रोत्साहित किया जाएगा।

2. महाविद्यालय छात्राओं को विश्वविद्यालय परीक्षा आवेदन फॉर्म भरकर हार्ड कॉपी चेक करा महाविद्यालय में जमा करवाने हेतु प्रत्येक कक्षा के प्रभारी बनाकर व्यवस्थित फॉर्म भरवाये जाएं ताकि छात्राएं त्रुटिया करने से बच सके।

3. छात्राओं को राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक संस्थाओं के बारे में जानकारी दी जाएं।

4. महाविद्यालय में सेमीनार, वर्कशॉप आदि आयोजित करवायें जाएं।

5. स्टाफ सदस्यों को राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक पत्रिकाओं में पेपर प्रकाशित करवाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएं।

6. छात्राओं के आंतरिक मूल्यांकन के परख शीघ्र जनवरी माह में सम्पन्न करवाये जाएंगे।

7. छात्राओं और स्टाफ सदस्यों को पुस्तकालय के अधिकाधिक उपयोग हेतु प्रेरित किया जाएं।

8. छात्राओं की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा विश्वविद्यालय मापदण्डों के अनुरुप सम्पन्न करवाई जाएंगी।

9. संस्था के संस्थापकों की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

10. राष्ट्रीय पर्व का आयोजन उत्साह पूर्वक किया जाएंगा।

11. प्रयोगशाला व आई.सी.टी. के उपयोग को अधिकाधिक प्रयास किये जाएंगे।

12. शिक्षण में नवाचारों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएंगा।

13. बी. एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं के ऑपन एयर सेशन आयोजन का कार्यक्रम निर्धारित कर उसे पूरा किया जाएंगा।

14. बी. ए., बी.एड. की छात्राओं की वर्क शॉप व सामुदायिक कार्य का प्रोग्राम बनाकर अतिशीघ्र उसे व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करवाया गया।

15. महाविद्यालय में कोई भी गतिविधि का आयोजन होने से रह न जाएं इस ओर विशेष ध्यान दिया जाएंगा।

16. महाविद्यालय परिसर में सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाये जाने की व्यवस्था की जाएंगी ताकि सम्पन्न गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा सके।

17. महाविद्यालय में निर्देशन और परामर्श सेवाओं को प्रभावी बनाकर छात्राओं की समस्याओं का समाधान शीघ्र करने का प्रयास किया जाएगा।

अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अणिमा पुरोहित ने इन सुझावों को अतिशीघ्र क्रियान्वित करने तथा महाविद्यालय के मूल्यों व गरिमा को बढ़ाने का आश्वासन दिया और सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित कर आभार व्यक्त कर मीटिंग का समापन किया।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teachers Training College
BHILWARA (Raj.)

I.Q.A.C. Session 2019-2020

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद (तृतीय बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की आन्तरिक गुणवत्ता परिषद् की द्वितीय बैठक दिनांक 22 अप्रैल को गुगल मीट द्वारा ऑन लाईन की गई जिसमे ऑन लाईन निम्न सदस्य जुड़े थे –

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री गजानन्द कुमावत (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशी पाण्ड्ेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. डॉ. निर्मला तापड़िया (सदस्य)
12. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
13. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
14. सुश्री सविता त्रिपाठी (सदस्य)
15. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
16. श्री योगेन्द्र कुमार टेलर (कार्यालय प्रशासक)

मीटिंग के प्रारम्भ में डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी का स्वागत अभिनन्दन किया और कोरोना के कारण अचानक लॉक डाउन हो जाने के कारण वर्ष भर हुई गतिविधियों के बारे में बताया और कहा कि –

1. सत्र् 2019–2020 के प्रवेश कार्य जुलाई माह में सम्पन्न होने से सभी शैक्षिक, सहशैक्षिक गतिविधियां निर्धारित पंचांग (कॉलेज कलैण्डर) के अनुरूप व्यवस्थित ढंग से निर्धारित पंचांग (कॉलेज कलैण्डर) के अनुरुप संचालित की गई है।
2. 26 जनवरी को हर्षोल्लास से गणतन्त्र दिवस मनाया गया।
3. सैद्धान्तिक कक्षाएं ओरिएण्टेशन प्रोग्राम से प्रारम्भ कर निर्धारित समय–सारणी के अनुरूप चलाई गई।

4. महाविद्यालय की छात्राओं के लिये अलग से कॉमन रूम की भी व्यवस्था है।
5. विश्वविद्यालय द्वारा एक सप्ताह तक उपभोक्ता जागरूकता हेतु निर्धारित विभिन्न क्रियाएँ करवाई गई जिसमें भाषण, निबन्ध लेखन, श्लोगन लेखन, चार्ट सजवाट, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं करवाई गई जिनके अलग–अलग विषय निर्धारित थे।
6. छात्राओं के विश्वविद्यालय परीक्षा के आवेदन पत्र भरवाने जा चुके है।
7. अन्य महाविद्यालयों में हुई प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं का प्रतिनिधित्व किया गया।
8. 5 जनवरी 2020 में विश्वविद्यालय परीक्षा आवेदन पत्र भरवाये गये।
9. महाविद्यालय के संस्थापको के जन्म दिवस व पुण्यतिथि तथा राष्ट्रीय पर्वो का आयोजन पूर्ण निष्ठा के साथ किया गया।
10. बी.ए.बी.एड. पार्ट प्रथम, द्वितीय और तृतीय की प्रथम सामयिक परीक्षा 6 जनवरी से 20 जनवरी तक सम्पन्न करवाई गई।
11. बी.ए.बी.एड. पार्ट प्रथम वर्ष की एक सप्ताह की कार्यशाला तथा बी.ए.बी.एड. द्वितीय वर्ष की सामुदायिक कार्यक्रम का आयोजन भी जनवरी माह में किया गया।
12. बी.एड. द्वितीय वर्ष का तीन चार फरवरी को ओपन एयर सेशन आयोजित किया गया।
13. आंतरिक मूल्यांकन का कार्य फरवरी के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।
14. फरवरी माह में विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षा के आवेदन पत्र ऑनलाईन भरवाये गये
15. 30 मार्च से पूर्व महाविद्यालय के सभी विभागों का भौतिक सत्यापन करने को कहा गया।

उपरोक्त तथ्यों की जानकारी के पश्चात् सभी सदस्यों ने सुझाव दिये तथा अचानक 16 मार्च को लॉक डाउन हो जाने के आगे की गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन हेतु और आंतरिक कार्यो में सुधार हेतु चर्चा कर निम्न बातों पर ध्यान देने की तरफ ध्यानाकर्षण किया गया जो इस प्रकार हैं –

1. कोरोना व लॉकडाउन होने के कारण सभी को स्वास्थय के प्रति जागरूक होने हेतु प्रेरित किया गया।
2. अवकाश काल में समय के सदुपयोग का ज्ञानार्जन को बढ़ाने पर ध्यान दिया जाए।
3. महाविद्यालय स्टाफ सदस्यों को अपनी शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने हेतु प्रेरित किया जाएगा।

4. अगामी सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षाएँ विश्वविद्यालय की व्यवस्था के अनुरूप सम्पन्न करवाई जाएगी।

5. छात्राओं व स्टॉफ को पुस्तकालय के अधिकाधिक उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

6. शिक्षण में नवाचारों का अधिकाधिक उपयोग किया जाए। जैसे अभिक्रमित अनुदेशन, दल शिक्षण, सूक्ष्म शिक्षण आदि।

7. आगामी सत्र की गतिविधियों की पहले से योजना तैयार कर उसका व्यवस्थित क्रियान्वयन किया जाएं।

8. प्रयोगशालाओं और I.C.T. के अधिकाधिक उपयोग के प्रयास किए जाएं।

9. निर्देशन व परामर्श सेवाओं को प्रभावी बनाया जाएं।

10. महाविद्यालय के शैक्षिक स्तर को उन्नत करने हेतु सभी को अनुशासन बद्ध रहकर प्रयास करने होगें।

अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने इन सुझावों को शीघ्राताशीघ्र क्रियान्वित करने तथा सभी के स्वास्थय की कुशल मंगल कामना कर महाविद्यालय की गरिमा को बढ़ाने को कहा तथा सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित कर ऑन लाईन मीटिंग को समाप्त करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teacher's Tr ining College
BHILWARA (Raj.)

I.Q.A.C. Session 2020-21
Internal Quality Assurance Cell
(आंतरिक–गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

प्रथम बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक–प्रशिक्षक महाविद्यालय की गठित आंतरिक गुणवत्ता परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं के उत्तम गुणवत्ता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, तथा छात्राओं का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील हैं, इस परिषद में निम्नलिखित सदस्य हैं

1. श्रीमती वंदना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री चन्द्र प्रकाश बाहेती (अभिभावक प्रतिनिधि)
   (B) श्री हेमेन्द्र सिंह चुण्डावत (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री योगेन्द्र टेलर (कार्यालय प्रशासक)
15. श्री गुरमीत सिंह (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 29.11.2020 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया कि इस परिषद का उद्देश्य महाविद्यालय द्वारा सभी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाना है तत्पश्चात् डॉ ललिता एस. धुप्या ने सत्र 2019–2020 में सम्पन्न हुए कार्यो की रूपरेखा पर प्रकाश डाला जो इस प्रकार है ।

1. महाविद्यालय में प्रारम्भ से ही सत्र 2019 व 2020 के पंचाग के अनुसार सभी कार्य सम्पन्न करवाये गये ।
2. जनवरी, फरवरी माह में छात्रों के सत्रीय कार्य एकत्रित कर उनका मूल्यांकन कार्य करवाया गया ।
3. जनवरी के अन्तिम सप्ताह में छात्राओं को जागृति, शक्ति, प्रगति व समृद्धि सदनों में विभाजित कर स्टॉफ प्रतिनिधि सभी सदनों में मनोनित कर जनवरी फरवरी माह में अर्न्तसदनीय सांस्कृतिक साहित्यिक प्रतियोगिताएं सम्पन्न करवाई गई
4. संस्था का प्लेटिनम जुबली का दिन धुमधाम से मनाया गया, पीपीटी प्रदर्शन किया गया, मेले का आयोजन किया गया

5. प्रेरणा दिवस पर 17 दिसम्बर को श्रीमती सुशीला जी माथुर को श्रृद्धांजली अर्पित कर रक्तदान शिविर का आयोजन व पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया ।
6. सत्र भर छात्राओं की नियमित सैद्वान्तिक कक्षाऐं आयोजित करवाई गयी । सभी कार्य व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हुए किन्तु मार्च 2020 में कोरोना के आगमन से छात्राओं की द्वितीय परख परीक्षा ऑनलाईन करवाई गई ।
7. स्टॉफ सदस्यों ने अन्य महाविद्यालयों में सम्पन्न हुए सेमिनार में भाग लिया
8. बी.ए.बी.एड.की छात्राओं की वर्कशॉप तथा सामुदायिक कार्य सम्पन्न कारवाया गया ।
9. लॉकडाउन होने के कारण शेष रहे कुछ कार्य व सैद्वान्तिक कक्षाएं ऑनलाईन मोड से सम्पन्न करवाये गये ।
10. छात्राओं की समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान देकर उन्हें व्यक्तिगत परामर्श दिया गया
11. 18.10.2020 से 24.10.2020 तक बी.ए. बी.एड. बी.एड. के ऑनलाईन प्रवेश कार्य सम्पन्न हुए। दिनांक 2 दिसम्बर से 7 दिसम्बर तक बी.एड. के ऑन लाईन का कार्य सम्पन्न हुआ।
12. 17.12.2020 को संस्था की पूर्व अध्यक्षा की श्रद्धांजलि सभा रखी जावेगी, जिसमें स्टाफ सदस्यों ने श्रद्धांजलि प्रदान की जावेगी ।

उपरोक्त तथ्यों की जानकारी के पश्चात् सभी सदस्यों से आगामी योजना के क्रियान्वयन के लिए निम्न सुझाव प्रस्तुत किये गये,

1. महाविद्यालय संकाय सदस्यों का शैक्षिक विकास करने हेतु प्रेरित किया जाए
2. अनुसंधान करने, सेमीनार, वर्कशॉप इत्यादि में जाने हेतु प्रेरित किया जाए
3. शिक्षकों को ICT के प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाए ताकि महामारी के इस दौर में ऑन लाइन शिक्षण हेतु अधिकाधिक वीडियों बनाने के लिए, ई बोर्ड प्रयुक्त करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया जाए।
4. महाविद्यालय के गुणात्मक विकास हेतु अधिकाधिक प्रयास किये जाए।
5. कोविड महामारी में कोविड गाइड लाइन का पालन करने हेतु स्टाफ व छात्राओं को प्रेरित किया जाये।
6. ऑनलाईन शिक्षण के लिए महाविद्यालय में पृथक कम्प्यूटर कक्ष की व्यवस्था की जाए।
7. छात्राओं की ऑनलाईन परीक्षा की व्यवस्था की जाए।
8. विभिन्न कमेटियों का निर्माण करना।
9. अनुस्थापन कार्यक्रम द्वारा सुयोग्य शिक्षक बनने की जानकारी दी जाएं।

अंत में प्राचार्या जी द्वारा उपरोक्त सभी सुझावों को अपनाने का आश्वासन दिया। सभी सदस्यों को धन्यवाद देकर बैठक का समापन किया।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teachers Training College
BHILWARA (Raj.)

I Q A C Session 2020-2021

Internal Quality Assurance Cell

आंतरिक गुणवता उन्नयन परिषद्

द्वितीय बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में गठित आंतरिक गुणवत्ता परिषद् अध्यापक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम, श्रेष्ठ व प्रभावी अध्यापक बनाने हेतु उत्तम शिक्षा व कौशलों का विकास करने तथा छात्राओं का निरन्तर विकास करने हेतु प्रयत्नशील है। इस परिषद् को द्वितीय बैठक 8 फरवरी 2021 को रखी गई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे –

(1) श्रीमती वन्दना माथुर

(2) श्री वी. पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेन्ट)

(3) श्री प्रमोद तिवाड़ी (सामाजिक कार्यकर्ता)

(4) (A) श्री चन्द्र प्रकाश बाहेती (अभिभावक प्रतिनिधि)

(B) श्री हेमेन्द्र सिंह चुण्डावत (अभिभावक प्रतिनिधि)

(5) डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)

(6) डॉ. ललिता एस. धुप्या (संयोजक)

(7) डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)

(8) डॉ. शशी पाण्डेय (सदस्य)

(9) डॉ. गुजंन (सदस्य)

(10) श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)

(11) श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)

(12) सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)

(13) श्रीमती चन्द्र कलासिंह (सदस्य)

(14) श्री योगेन्द्र टेलर (कार्यालय प्रशासक)

(15) श्री गुरमीत सिंह (कार्यालय प्रशासक)

उपरोक्त मीटिंग का आयोजन कोविड 19 महामारी होने के बावजूद कुछ छूट होने के कारण ऑफ लाइन मॉड पर कान्फ्रेस हॉल में कोविड गाईड लाईन का अक्षरतः पालन करते हुए किया गया। इस परिषद के दो प्रमुख उद्देश्य निर्धारित थे –

(i) महाविद्यालय की सभी गतिविधियों को प्रभावी ढ़ग से संचालित करवाना।

(ii) कोविड महामारी के कारण स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान आकर्षित करना ।

इस मीटिंग में डॉ. ललिता एस. धुप्या ने सत्र के प्रारम्भ में हुए कार्यो पर प्रकाश डाला जो इस प्रकार से है–

(1) इस सत्र में प्रवेश कार्य काफी देरी से बी.ए. बी.एड. के अक्टूबर व बी. एड. के दिसम्बर में होने के कारण सभी कार्यो को सावधानी पूर्वक कम समय में व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा हैं।

(2) नई प्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय में समायोजन में कोई परेशानी का सामना न करना पड़े इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

(3) इस सत्र में कोरोना जनित परिस्थिति होने से नई छात्रा–परिषद् का गठन न करके पुरानी छात्रा–परिषद् व नव प्रवेशित प्रथम वर्ष की छात्राओं में से कक्षा प्रतिनिधि का चयन किया गया।

(4) 17 दिसम्बर को प्रेरणा दिवस मनाया गया जिसमे संस्था की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सुशीला जी माथुर करो श्रद्धाजंलि प्रदान की गई।

(5) बी.ए. बी. एड. की सभी छात्राओं को आंतरिक मूल्यांकन हेतु सत्रीय कार्य व ऑरल प्रजेण्टेशन के टॉपिक्स आंवटित कर दिये गये।

(6) बी.ए. बी. एड. द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्ष की छात्राओं की प्रथम सामयिक परीक्षा जनवरी माह में ऑन लाईन आयोजित की गई।

(7) छात्राओं की व्यक्तिगत, शैक्षणिक, आर्थिक समस्याओं पर विशेष ध्यान देकर उनके समाधान का प्रयास यथा सम्भव किया गया।

(8) महाविद्यालय में कोरोना गाइड लाइन के पालन का विशेष ध्यान रखा गया जैसे सेनेटाइजर छिड़काव, मास्क का उपयोग नो मास्क नो एण्ट्री, दो गज की दूरी, अभिभावकों की लिखित अनुमति के बिना महाविद्यालय में प्रवेश वर्जित वेक्सीनेशन आदि।

(9) महाविद्यालय के स्टाफ के सदस्यों ने अन्य महाविद्यालय में आयोजित वेबीनार व संगोष्ठी में भाग लिया।

(10) जनवरी माह से बी. एड. व बी.ए. बी. एड. की छात्राओं की सरकारी निर्देशानुसार 50 प्रतिशत छात्राओं की अभिभावकों की अनुमति से ऑफ लाईन कक्षाएँ लगवाई गई।

(11) नवीन प्रवेश लेने वाली प्रथम वर्ष की छात्राओं को विभिन्न सड़कों में आवंटित कर महाविद्यालय की छात्राओं की यथा सम्भव कुछ ऑनलाईन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

उपरोक्त तथ्यों के जानकारी के पश्चात् सभी सदस्यों के समक्ष आगामी योजना के कियान्वन हेतु निम्न सुझाव प्रस्तुत किये गये :–

(1) महाविद्यालय स्टाफ के सदस्यों को उनके शैक्षणिक उपलब्धि बढाने हेतु प्रेरित किया जाएगा।

(2) शोध कार्य करने, वर्कशॉप, सेमीनार आदि में पेपर प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

(3) महाविद्यालय की छात्राओं के सभी कार्यो को व्यवस्थित संचालन हेतु सक्रिय सहयोग प्रदान किया जाएँ।

(4) छात्राओं के आंतरिक मूल्यांकन व सहशैक्षिक गतिविधियों का संचालन यथा सम्भव निर्धारित पंचांग के अनुसार किया जाएंगा।

(5) शिक्षकों व छात्राओं को ICT के प्रयोग हेतु प्रेरित किया जाएगा। ऑन लाईन शिक्षण के साथ अधिकाधिक वीडियों बनाने व पी.डी.एफ. बनाकर छात्राओं को नोट्स बनाकर उपलब्ध करवा कर कोर्स पूरा करवाने हेतु निर्देशित किया जाएगा।

(6) छात्राओं की वर्कशॉप व सामुदायिक कार्य समय पर हो सके इस हेतु शीघ्र विस्तृत रूपरेखा बना उसका कियान्वन किया जाएँ।

(7) आंतरिक मूल्यांकन हेतु सत्रीय कार्य का समय पर संग्रहण व मूल्यांकन करवाया जाएगा तथा परख परीक्षा आयोजन की भी पूरी व्यवस्थित तैयारी की जाए।

(8) विश्वविद्यालय द्वारा आंतरिक परीक्षा के प्रश्न पत्रो के मूल्यांकन हेतु भी कार्यक्रम तैयार कर उसे समय पर सम्पन्न करवाई जाएगी।

(9) अनुस्थापन्न मीटिंग का आयोजन ऑन लाईन करवाने की बात भी कही गई।

(10) महाविद्यालय की सुव्यवस्था हेतु विभिन्न कमेटियों का निर्माण कर कार्य का वितरण किया जाएगा।

(11) महाविद्यालय में ऑन लाईन शिक्षण हेतु पृथक कम्प्यूटर कक्ष की व्यवस्था की जाएगी।

(12) महाविद्यालय के गुणात्मक विकास हेतु अधिकाधिक प्रयास किये जायेगा।

अंत में प्राचार्या जी द्वारा उपरोक्त सभी सुझावों को अपनाने का आश्वासन दिया गया और सभी को धन्यवाद देकर बैठक का समापन किया गया।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2020-21
Internal Quality Assurance Cell
(आंतरिक–गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

द्वितीय बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक–प्रशिक्षक महाविद्यालय की गठित आंतरिक गुणवत्ता परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं के उत्तम गुणवत्ता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, तथा छात्राओं का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील हैं, इस परिषद में निम्नलिखित सदस्य हैं

1. श्रीमती वंदना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री चन्द्र प्रकाश बाहेती (अभिभावक प्रतिनिधि)
   (B) श्री हेमेन्द्र सिंह चुण्डावत (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री योगेन्द्र टेलर (कार्यालय प्रशासक)
15. श्री गुरमीत सिंह (कार्यालय प्रशासक)

द्वितीय बैठक 28.04.2021 को कोरोना के कारण ऑन लाईन गूगल मीट द्वारा रखी गई। जिसमें सत्र 2020–2021 में सम्पन्न हुए कार्यो पर प्रकाश डाला गया ।

1. इस वर्ष प्रवेश कार्य पीटीईटी परीक्षा के माध्यम से बी.ए.बी.एड. के अक्टूम्बर माह में व बी. एड. के दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह में ऑनलाईन सम्पन्न किये गये अतः सत्र का शुभारम्भ देर से हुआ
2. इस सत्र में महिला शशक्तिकरण पर जूम एप पर वेबिनार रखा गया जिसमें सभी सदस्यों ने भाग लिया ।
3. बी.एड. द्वितीय वर्ष की बाह् प्रायोगिक परीक्षा भी आन्तरिक परीक्षा समिति के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय निर्देशोनुसार सम्पन्न करवाई गई ।
4. युवा दिवस पर ऑनलाईन वार्ता विवेकानन्द केन्द्र द्वारा करवाई गई जिसमें स्टॉफ सदस्यों व छात्राओं ने भाग लिया ।
5. कोविड महामारी के कारण सरकारी निर्देशानुसार छात्राओं की ऑनलाईन सैद्वान्तिक कक्षाएं लगाई गई ।

6. 18 जनवरी 2021 से बी.ए.बी.एड. व बी.एड. की ऑफलाईन कक्षाएं प्रारम्भ की गई । जिसमें कोविड गाईडलाईन का कड़ाई से पालन किया गया । 50 प्रतिशत छात्राओं की उपस्थिति अभिभावकों से अनुमति लेकर सुनिश्चित की गई ।
7. 4 फरवरी 2021 से 8 फरवरी 2021 तक बी.एड.छात्राओं के आलोचनात्मक पाठ सम्पन्न करवाये गये ।
8. 16 फरवरी 2021 को बसन्त पंचमी के दिन हवन का आयोजन किया गया तत्पश्चात् छात्राओं के लिए भजन प्रतियोगिता रखी गई ।
9. 1 मार्च 2021 से बी.एड. द्वितीय वर्ष व बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष की छात्राओं के आन्तरिक मूल्यांकन के टेस्ट रखे गये । अन्य कक्षाओं की छात्राओं की नियमित कक्षाएं चलाई गई ।
10. 8 मार्च 2021 को महिला दिवस मनाया गया
11. 07.04.2021 से 11.04.2021 तक बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष की छात्राओं के आलोचनात्मक पाठ सम्पन्न करवाये ।

उपरोक्त तथ्यों की जानकारी के पश्चात् सभी सदस्यों ने ऑनलाईन बातचीत की और आगे की योजना के कियान्वयन हेतु निम्न सुझाव प्रस्तुत किये ताकि महाविद्यालय की गुणवता को उपर उठाने में योगदान दे सके ।

महाविद्यालय संकाय के सदस्यों द्वारा जमा की गई पी.एच.डी. के वायवा हेतु उनके द्वारा प्रयास किए गए।

1. स्टाफ सदस्य व छात्रों द्वारा सेमीनार व वर्कशॉप में भाग लिया गया।
2. शिक्षकों को आई.सी.टी. के अन्तर्गत गूगल मीट, जूम आदि का प्रयोग करना सीखाया गया।
3. कोविड महामारी के कारण नो मास्क नो एंट्री की पालना की गई, जिसमें सभी स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी पूर्णरूप से प्रतिबद्ध रहे।
4. ऑनलाईन शिक्षण की व्यवस्था कम्प्यूटर कक्ष में संचालित की गई।
5. छात्रों की परीक्षाएं ऑन लाईन मोड पर ली गई।
6. अनुस्थापना कार्यक्रम द्वारा सुयोग्य शिक्षक बनाने की जानकारी उन्हें बी.एड. पाठ्यक्रम के आधार पर दी गई।
7. शिक्षण कार्य व शिक्षण व्यवस्था सुचारू रूप से चले इसके लिए विभिन्न कमेटियां गठित की गई।

अंत में प्राचार्या जी द्वारा सभी सदस्यों का धन्यवाद देकर बैठक का समापन किया।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teachers Tr ining College
BHILWARA (Raj.)

I Q A C Session 2020-2021

Internal Quality Assurance Cell

आंतरिक गुणवता उन्नयन परिषद्

चतुर्थ बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में गठित आंतरिक गुणवत्ता परिषद् अध्यापक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम, श्रेष्ठ व प्रभावी अध्यापक बनाने हेतु, उत्तम शिक्षा व कौशलों का विकास करने तथा छात्राओं का निरन्तर विकास करने हेतु प्रयत्नशील है। इस परिषद् को चतुर्थ बैठक 17 जुलाई 2021 को रखी गई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे –

(1) श्रीमती वन्दना माथुर

(2) श्री वी. पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेन्ट)

(3) श्री प्रमोद तिवाड़ी (सामाजिक कार्यकर्ता)

(4) (A) श्री चन्द्र प्रकाश बाहेती (अभिभावक प्रतिनिधि)

(B) श्री हेमेन्द्र सिंह चुण्डावत (अभिभावक प्रतिनिधि)

(5) डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)

(6) डॉ. ललिता एस. धुप्या (संयोजक)

(7) डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)

(8) डॉ. शशी पाण्डेय (सदस्य)

(9) डॉ. गुजंन (सदस्य)

(10) श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)

(11) श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)

(12) सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)

(13) श्रीमती चन्द्र कलासिंह (सदस्य)

(14) श्री योगेन्द्र टेलर (कार्यालय प्रशासक)

(15) श्री गुरमीत सिंह (कार्यालय प्रशासक)

उपरोक्त मीटिंग का आयोजन कोविड के कारण सत्र के समय पर पूर्ण न होने से जुलाई माह की दिनांक 17.07.2021 को किया गया । इस मीटिंग के प्रारम्भ में महाविद्यालय में अप्रैल 2021 तक सम्पन्न हुए कार्यो पर डॉ. ललिता एस. धुप्या ने प्रकाश डाला जो इस प्रकार से है–

1. इस सत्र में महाविद्यालय में सभी कार्य निर्धारित पंचांग के अनुरूप करवाने का प्रयास किया गया ।
2. इस साल प्रत्येक वर्ष की भॉति ऑफ लाईन सह भौक्षिक गतिविधियॉ आयोजित नहीं हो सकी फिर भी कुछ गतिविधियों का ऑनलाईन आयोजन किया गया ।
3. ग्रीष्मावकाश में छात्राओं को शैक्षिक पाठ्यक्रम को ठीक से पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया ।
4. इस समय वर्तमान में बी.एड. द्वितीय वर्ष व बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष की छात्राओं की इन्टर्नशीप प्रोग्राम शाला दर्पण पोर्टल जयपुर द्वारा संचालित किया जा रहा हैं ।
5. बी.एड. द्वितीय वर्ष व बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष की छात्राओं का ऑफ लाईन प्रवेश कार्य 15 जुलाई से प्रारम्भ कर दिया गया जो पूरे माह जारी रहेगा ।
6. बी.एड. द्वितीय वर्ष व बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष की छात्राओं की आंतरिक प्रायोगिक परीक्षा भी सम्पन्न करवाई जा चुकी हैं ।
7. महाविद्यालय के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता का पूरा–2 ध्यान रखा गया ।
8. 25 जून को संस्था के भूतपूर्व संरक्षक श्री शिव चरण जी माथुर सा. को श्रृद्वाजंलि अर्पित की गई ।
9. कोरोना गाईड लाईन का सख्ती से पालन किया जा रहा है ।
10. सभी स्टॉफ सदस्यों व छात्राओं के वेक्सीनेशन सर्टीफिकेट एकत्र किये गये । जिन छात्राओं का वेक्सीनेशन नहीं हुआ उन्हें वेक्सीनेशन हेतु प्रेरित किया गया ।

उपरोक्त तथ्यों की जानकारी के पश्वात् सभी सदस्यों के सामने आगामी सत्र के प्रारम्भ व इस सत्र के प्रभावी समापन हेतु निम्न सुझाव प्रस्तुत किये गये ।

1. नवीन सत्र का प्रारम्भ प्रभावी महाविद्यालय पंचांग बनाकर उसके अनुरूप किया जाएं ।
2. छात्राओं की सैद्वान्तिक कक्षाओं के शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाया जाएं क्योंकि अभी उनकी विश्वविद्यालय परीक्षाएँ शेष हैं ।
3. विश्वविद्यालय परीक्षाओं हेतु छात्राओं को शैक्षणिक व मानसिक रूप से तैयार करना ।
4. नवीन सत्र की (अगली कक्षा की) कक्षाओं की पढ़ाई को प्रभावी तरीके से प्रारम्भ करना ।

5. विश्वविद्यालय परीक्षा हेतु समय–सारणी आने (प्रकाशित) के साथ ही पुनः पाठ्यक्रम का रिवीजन करवाया जाएंगा।
6. महाविद्यालय के गुणात्मक विकास हेतु ध्यान दिया जाएगा ।
7. स्टॉफ सदस्यों को पेपर पब्लिश करवाने, सेमिनार में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा ।
8. आगामी सत्र के कार्यो के सुव्यवस्थित संचालन हेतु विभिन्न कमेटियों का गठन कर उनके द्वारा कार्यो का व्यवस्थित कियान्वयन करना।
9. महाविद्यालय अनुशासन व व्यवस्था बनाने रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएं ।
10. महाविद्यालय में सेमिनार, प्रसार व्याख्यान, वर्कशॉप आदि के कियान्वयन पर ध्यान दिया जाएंगा ।
11. छात्राओं की पुस्तकालय में अध्ययन हेतु रूचि विकसित करना तथा नवीन लेखकों की पुस्तकें मंगवाना ।
12. महाविद्यालय व समाज के मध्य सम्पर्क बनाये रखना तथा समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करना । भारतीय सभ्यता व संस्कृति के मूल्यों, सांस्कृतिक धरोहर को आगे हस्तान्तरित करना ।
13. छात्राओं की व्यक्तिगत, शैक्षिक समस्याओं का तत्परता से समाधान करना ।

अंत में प्राचार्य जी द्वारा उपरोक्त सभी सुझाओं को अपनाने का आश्वासन दिया गया और सभी का धन्यवाद देकर बैठक का समापन किया गया ।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teachers Training College